Title: Need to revive the ailing cement factories in Mirzapur district of Uttar Pradesh.

श्री नरेन्द्र कुमार कुशवाहा : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में सीमेंट कॉरपोरेशन डालाचुर चूर्क है जहां दसियों हजार मजदूर काम कर रहे थे। उ. प्र. की सरकार वहां पहले भी थीं। इन्होंने कुछ पूंजीपतियों से मिलकर, उसको बेचकर उसे विवादित कर दिया जिसकी तरफ आज भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। फैक्टरी बंद होने की वजह से वहां पर बेरोजगारी की मार के चलते वहां नक्सलवाद जैसी समस्या पैदा हो रही है। वहां अभी 17 जवान पी.ए.सी. के मारे गये हैं, ट्रक उलट दिये गये हैं, वहां विस्फोट हो रहे हैं तथा वहां की माताएं-बहनें तरह-तरह के कर्मों पर उतर रही हैं। जो मूलभूत समस्या है, जो ग्रामीण अंचल की समस्या है, जो हिन्दुस्तान के विकास की समस्या है, जो मानव जीवन से जुड़ी हुई समस्या है, इस विाय पर इस सदन में चर्चा होनी ही चाहिए। यह भी कहा जा रहा है कि सीमेंट फैक्टरी बंद है, उसकी वजह से ही वहां बेरोजगारी के कारण नक्सलवाद पैदा हो रहा है। इसलिए क्यों नहीं फैक्टरी बेचकर मजूदरों के पैसे का भुगतान कर दिया जाए? उनके पैसे का भुगतान होने से उनकी बेटियों की शादी हो जाएगी। उनके लड़के पढ़ लेंगे और घर-आवास बना लेंगे। लेकिन वहां पर इतना रॉ मैटीरियल है कि उस फैक्टरी को सार्वजनिक क्षेत्र में चलाना बहुत जरूरी है। देश हित में यदि इस सीमेंट फैक्टरी को चलाया जाए तो निश्चित रूप से यह देश हित की बात होगी।